

REPORT ON WEBINAR CELEBRATING NATIONAL WILDLIFE WEEK 2026

Theme: *"Connecting Habitats, Thriving Wildlife"*

Date & Mode: 8th October 2026 | Virtual / Online Mode

Organized by: Extension Division, Forest Research Institute, Dehradun

Participants: 50+ (Officiating Director & GCR, Division Heads, Scientists, Officers, Staff, Research Scholars, and Students)

1. Introduction & Context

National Wildlife Week is observed annually during the first week of October to renew collective commitments toward biodiversity conservation. On 8th October 2026, the Extension Division of FRI organized a national webinar on the theme **"Connecting Habitats, Thriving Wildlife."** The webinar brought together forestry researchers, academicians, and students to discuss contemporary conservation strategies aimed at addressing habitat fragmentation and restoring ecological corridors.

2. Proceedings of the Webinar

- **Welcome Address & Context Setting:** The programme commenced with a formal welcome address by Dr. Charan Singh, Scientist-G & Head, Extension Division, FRI. He welcomed all dignitaries and participants and outlined the relevance of celebrating Wildlife Week in the context of contemporary ecological challenges.
- **Address by the Chair:** Sh. D.P. Khali, Group Coordinator (Research) and Officiating Director, FRI, addressed the gathering. He emphasized that wildlife cannot thrive on isolated ecological islands and stressed the urgent need for landscape-level planning. He highlighted that FRI and the ICFRE network play a crucial role in creating physical corridors through sustainable silviculture, landscape management plans, and the ecological restoration of degraded tracts.
- **Keynote Lecture by Dr. Bilal Habib:** The keynote address was delivered by Dr. Bilal Habib, Senior Scientist and renowned Conservation Biologist from the Wildlife Institute of India (WII), Dehradun. Dr. Habib delivered an engaging presentation focusing on large carnivore ecology, linear infrastructure mitigation (highways and railways), and animal dispersal through human-modified landscapes. He demonstrated how integrating modern quantitative tools and field ecology with infrastructure planning can facilitate coexistence and secure viable migratory corridors.
- **Vote of Thanks:** The webinar concluded with a formal vote of thanks delivered by Dr. Devendra Kumar, Scientist-F, Extension Division, FRI. He expressed sincere gratitude to the keynote speaker, the officiating director, divisional heads, organizers, and over 50 enthusiastic attendees across ICFRE institutes and FRI Deemed to be University.

3. Key Takeaways

1. **Holistic Landscape Management:** Conservation discourse must broaden from exclusive protected areas to permeable, interconnected production landscapes.

2. **Mitigation of Linear Infrastructure:** Incorporating scientific, evidence-based wildlife crossing structures into developmental projects is critical for genetic exchange and species survival.
3. **Synergy of Forestry and Wildlife:** Sustainable silviculture and forest restoration directly serve as the structural backbone of functional ecological corridors.

Moderation of the session and Report Compiled by: Sh. Lokinder Sharma, Scientist-C, Extension Division, Forest Research Institute, Dehradun

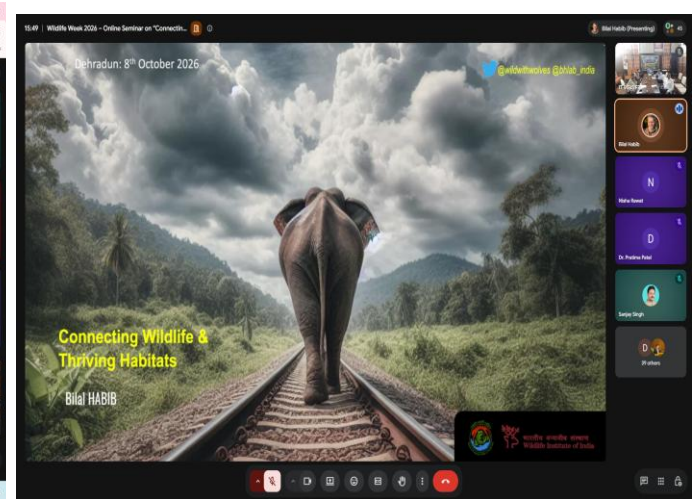
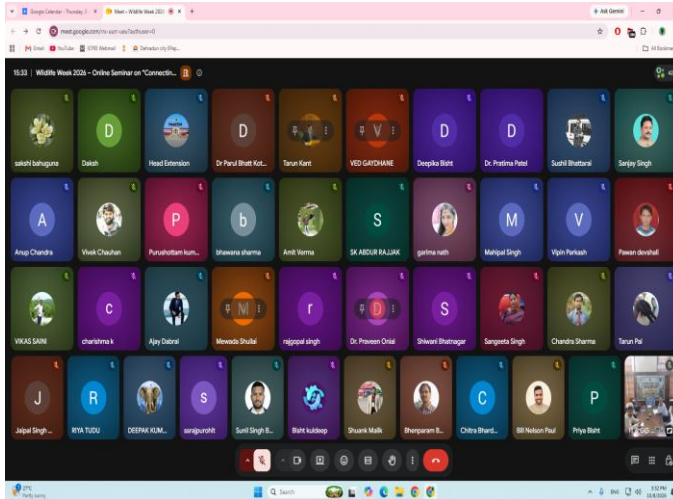
Organizing team:

1. Dr. Charan Singh, Scientist-G & Head, Extension Division
2. Dr. Devendra Kumar, Scientist-F, Extension Division
3. Mr. Lokinder Sharma, Scientist-C, Extension Division
4. Ms. Chitra Bharadwaj, Chief Technical Officer, Extension Division

Supporting team:

1. Mr. Naveen Chauhan, Technical Assistant, Extension Division
2. Mrs. Garima Nath, Technical Assistant, Extension Division
3. Mr. Pawan Devshali, Technical Assistant, Extension Division
4. Mr. Amit Singh, Sr. Technician, Extension Division
5. Mr. Pushkar Singh, Technician, Extension Division
6. Mr. Manoj Dhanaka, Technician, Extension Div.

Glimpses



राष्ट्रीय वन्यजीव सप्ताह 2026 के उपलक्ष्य में आयोजित वेबिनार की रिपोर्ट

विषय (थीम): "Connecting Habitats, Thriving Wildlife"

दिनांक एवं माध्यम: 8 अक्टूबर 2026 | वर्चुअल / ऑनलाइन माध्यम

आयोजक: विस्तार प्रभाग, वन अनुसंधान संस्थान (FRI), देहरादून

प्रतिभागी: 50 से अधिक (प्रभारी निदेशक एवं जी.सी.आर., प्रभाग प्रमुख, वैज्ञानिक, अधिकारी, कर्मचारी, शोधार्थी एवं विद्यार्थी)

1. प्रस्तावना एवं संदर्भ

जैव विविधता संरक्षण के प्रति सामूहिक प्रतिबद्धता को नवीनीकृत करने के लिए प्रतिवर्ष अक्टूबर के प्रथम सप्ताह में राष्ट्रीय वन्यजीव सप्ताह मनाया जाता है। इसी क्रम में 8 अक्टूबर 2026 को वन अनुसंधान संस्थान के विस्तार प्रभाग द्वारा "Connecting Habitats, Thriving Wildlife" विषय पर एक राष्ट्रीय वेबिनार का आयोजन किया गया। इस वेबिनार में वानिकी शोधकर्ताओं, शिक्षाविदों और विद्यार्थियों ने भाग लिया तथा आवास विखंडन (habitat fragmentation) की समस्या के समाधान और पारिस्थितिक गलियारों (ecological corridors) के पुनरुद्धार से जुड़ी समकालीन संरक्षण रणनीतियों पर विचार-विमर्श किया।

2. वेबिनार की कार्यवाही

- **स्वागत भाषण एवं संदर्भ स्थापना:** कार्यक्रम की शुरुआत डॉ. चरण सिंह, वैज्ञानिक-जी एवं प्रमुख, विस्तार प्रभाग, एफ.आर.आई. के औपचारिक स्वागत भाषण के साथ हुई। उन्होंने सभी गणमान्य अतिथियों एवं प्रतिभागियों का स्वागत किया और समकालीन पारिस्थितिक चुनौतियों के परिप्रेक्ष्य में वन्यजीव सप्ताह के आयोजन की प्रासंगिकता को रेखांकित किया।
- **अध्यक्षीय उद्बोधन:** श्री डी.पी. खली, समूह समन्वयक (अनुसंधान) एवं प्रभारी निदेशक, एफ.आर.आई. ने सभा को संबोधित किया। उन्होंने इस बात पर बल दिया कि वन्यजीव अलग-थलग पड़े 'पारिस्थितिक द्वीपों' में फल-फूल नहीं सकते। उन्होंने भूदृश्य-स्तरीय नियोजन (landscape-level planning) की तत्काल आवश्यकता पर जोर दिया। उन्होंने रेखांकित किया कि एफ.आर.आई. और आई.सी.एफ.आर.ई. (ICFRE) नेटवर्क सतत वन-संवर्धन (silviculture), भूदृश्य प्रबंधन योजनाओं और अवक्रमित क्षेत्रों के पारिस्थितिक पुनरुद्धार के माध्यम से भौतिक गलियारों के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।
- **डॉ. बिलाल हबीब द्वारा मुख्य व्याख्यान:** मुख्य व्याख्यान भारतीय वन्यजीव संस्थान (WII), देहरादून के वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं प्रख्यात संरक्षण जीवविज्ञानी डॉ. बिलाल हबीब द्वारा दिया गया। डॉ. हबीब ने बड़े मांसाहारी जीवों की पारिस्थितिकी, रेखीय अवसंरचना शमन (हाईवे और रेलवे) और मानव-रूपांतरित भूदृश्यों में वन्यजीवों की आवाजाही पर एक प्रभावशाली प्रस्तुति दी। उन्होंने प्रदर्शित किया कि किस प्रकार आधुनिक परिमाणात्मक उपकरणों (quantitative tools) और फील्ड इकोलॉजी को अवसंरचना नियोजन के साथ जोड़कर सह-अस्तित्व को सुगम बनाया जा सकता है और व्यवहार्य प्रवासी गलियारों को सुरक्षित किया जा सकता है।
- **धन्यवाद ज्ञापन:** वेबिनार का समापन विस्तार प्रभाग, एफ.आर.आई. के वैज्ञानिक-एफ, डॉ. देवेन्द्र कुमार द्वारा प्रस्तुत औपचारिक धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ। उन्होंने मुख्य वक्ता, प्रभारी निदेशक, प्रभाग प्रमुखों, आयोजकों और आई.सी.एफ.आर.ई. संस्थानों व एफ.आर.आई. समविश्वविद्यालय के 50 से अधिक उत्साही प्रतिभागियों के प्रति हार्दिक आभार व्यक्त किया।

3. मुख्य निष्कर्ष (Key Takeaways)

- **समग्र भूदृश्य प्रबंधन:** संरक्षण विमर्श को केवल संरक्षित क्षेत्रों तक सीमित न रखकर पारगम्य एवं परस्पर जुड़े उत्पादन परिदृश्यों (production landscapes) तक विस्तृत किया जाना चाहिए।
- **रेखीय अवसंरचना का शमन:** आनुवंशिक आदान-प्रदान और प्रजातियों के अस्तित्व को बनाए रखने के लिए विकास परियोजनाओं में वैज्ञानिक एवं साक्ष्य-आधारित वन्यजीव क्रॉसिंग संरचनाओं को शामिल करना अत्यंत आवश्यक है।
- **वानिकी और वन्यजीवों का समन्वय:** सतत वन-संवर्धन और वन पुनरुद्धार प्रत्यक्ष रूप से कार्यात्मक पारिस्थितिक गलियारों के संरचनात्मक आधार के रूप में कार्य करते हैं।

सत्र संचालन एवं रिपोर्ट संकलन: श्री लोकिंदर शर्मा , वैज्ञानिक-सी, विस्तार प्रभाग, वन अनुसंधान संस्थान , देहरादून

आयोजन टीम:

1. डॉ. चरण सिंह, वैज्ञानिक-जी एवं प्रमुख, विस्तार प्रभाग
2. डॉ. देवेंद्र कुमार, वैज्ञानिक-एफ, विस्तार प्रभाग
3. श्री लोकिंदर शर्मा, वैज्ञानिक-सी, विस्तार प्रभाग
4. सुश्री चित्रा भारद्वाज, मुख्य तकनीकी अधिकारी, विस्तार प्रभाग

सहयोगी टीम:

1. श्री नवीन चौहान, तकनीकी सहायक, विस्तार प्रभाग
2. श्रीमती गरिमा नाथ, तकनीकी सहायक, विस्तार प्रभाग
3. श्री पवन देवशाली, तकनीकी सहायक, विस्तार प्रभाग
4. श्री अमित सिंह, वरिष्ठ तकनीशियन, विस्तार प्रभाग
5. श्री पुष्कर सिंह, तकनीशियन, विस्तार प्रभाग
6. श्री मनोज धनका, तकनीशियन, विस्तार प्रभाग

झलकियाँ

